भारत सरकार
पंचायती राज मंत्रालय
लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या *31
दिनांक 02.12.2025 को उत्तरार्थ

आदर्श युवा ग्राम सभा

†*31. श्री बलभद्र माझीः
श्री आशीष दुबेः

क्या पंचायती राज मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) हिमाचल प्रदेश सहित देश में आदर्श युवा ग्राम सभा (एमवाईजीएस) संबंधी पहल के उद्देश्य और मुख्य विशेषताएं क्या है;
(ख) हिमाचल प्रदेश के मंडी लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र सहित राज्य और जिला-वार कितने विद्यालयों और किन-किन श्रेणियों की संस्थाओं में इस पहल को कार्यान्वित किया जा रहा है:
(ग) छात्रों को सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल करने में एमवाईजीएस पोर्टल और प्रशिक्षण मॉड्यूल की क्या भूमिका है:
(घ) इस पहल से विकसित भारत @ 2047 के दृष्टिकोण के अनुरूप युवाओं में नेतृत्व भावना को विकसित करने और लोकतंत्र में सहभागिता को बढ़ावा देने में किस प्रकार सहायता मिलने की संभावना है; और
(ङ) क्या सरकार का भीलवाड़ा, मंडी, मेरठ, उदयपुर, साबरकांठा, अरावली, रतलाम और जबलपुर सहित राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात और मध्य प्रदेश में इस पहल को लागू करने का कोई प्रस्ताव है, यदि हां, तो तत्संबंधी जिला-वार व्यौरा क्या है?

उत्तर

पंचायती राज मंत्री

(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) से (ङ): एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

मॉडल युवा ग्राम सभा के संबंध में लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *31 जिसका उत्तर दिनांक 02.12.2025 को दिया जाना है, के भाग (क) से (ड.) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क) मंत्रालय ने स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग तथा जनजातीय कार्य मंत्रालय के साथ मिलकर जवाहर नवोदय विद्यालयों और एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूलों के छात्रों तथा महाराष्ट्र और कर्नाटक राज्य सरकार द्वारा चयनित कुछ उच्च माध्यमिक विद्यालय के लिए मॉडल युवा ग्राम सभा पहल शुरू की है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य छात्रों को तीन-स्तरीय पंचायती राज व्यवस्था के बारे में शिक्षित करना, ग्राम सभाओं में युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना, अनुभव से सीखकर नेतृत्व को मजबूत करना, और एनईपी 2020 और विकसित भारत के विज़न के अनुसार संवैधानिक मूल्यों और नागरिक ज़िम्मेदारी को बढ़ावा देना है।

एमवाईजीएस की एक मुख्य विशेषता ज़मीनी स्तर पर लोकतंत्र का अनुभवात्मक अनुकरण है, जिसमें छात्र एजेंडा सेट करने, विचार-विमर्श करने, बजट बनाने और प्रस्ताव पास करने जैसे मॉक ग्राम सभा सेशन आयोजित करते हैं, जो ग्राम सभा की कानूनी प्रक्रियाओं की तरह ही होते हैं। इससे लोकल गवर्नेंस का प्रैक्टिकल अनुभव मिलता है और जानकार, ज़िम्मेदार तथा भाग लेने वाले भावी नागरिक तैयार होते हैं।

(ख) और (ड.): मंत्रालय इस पहल को पहले चरण में पूरे देश में 1306 विद्यालयों में लागू कर रहा है, जिसमें 620 जवाहर नवोदय विद्यालयों, 200 एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूलों, महाराष्ट्र की 172 ज़िला परिषद् विद्यालय और कर्नाटक सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त 314 विद्यालय सम्मिलित है, जिसमें भीलवाड़ा, मंडी, मेरठ, उदयपुर, साबरकांठा, अरावली, रतलाम और जबलपुर सहित राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात और मध्य प्रदेश के राज्य शामिल हैं। एमवाईजीएस पहल को लागू करने वाले स्कूलों और संस्थाओं की श्रेणी की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार संख्या **अनुलग्नक-I** में दी गई है।

(ग) शिक्षकों और छात्रों का मार्गदर्शन करने के लिए एक समर्पित ट्रेनिंग मॉड्यूल बनाया गया है, जिससे एमवाईजीएस का अनुकरण समान, दिलचस्प और प्रक्रिया आधारित हो। यह संरचित दृष्टिकोण छात्रों को लोकतांत्रिक भूमिका और प्रक्रियाओं को समझने में मदद करता है, साथ ही संचार, महत्वपूर्ण सोच और सहयोगात्मक निर्णय लेने के कौशल को विकसित करता है। इस उद्देश्य के लिए, गतिविधियों को व्यवस्थात्मक तरीके से अपलोड और रिकॉर्ड करने के लिए एक समर्पित एमवाईजीएस पोर्टल भी बनाया गया है, जिससे स्कूलों के बीच पारदर्शिता बनी रहे और शिक्षण का आदान-प्रदान आसान हो।

(घ) यह पहल युवा नेतृत्व को बढ़ावा देती है और एजेंडा सेट करने, विचार-विमर्श करने, बजट बनाने और प्रस्ताव बनाने जैसी सिम्युलेटेड (प्रतिरूपित) ग्राम सभा प्रयासों के ज़रिए पंचायती राज संस्थाओं को अनुभव प्रदान करके भागीदारीपूर्ण लोकतंत्र को बढ़ावा देती है। यह पहल राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप संवैधानिक मूल्यों, नागरिक ज़िम्मेदारी और समावेशिता की भावना को बढ़ावा देती है। ज़मीनी स्तर पर शासन में छात्रों की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देकर, यह पहल उन्हें जानकार और ज़िम्मेदार हितधारक बनने में मदद करती है, ताकि वे विकसित भारत @2047 के विज़न में सार्थक योगदान दे सकें।

*****

अनुलग्नक-I

लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *31 जिसका उत्तर दिनांक 02.12.2025 को दिया जाना है, के भाग (ख) एवं (ड.) के संबंध में अनुलग्नक

मॉडल यूथ ग्राम सभा पहल को लागू करने वाले स्कूलों की संख्या और संस्थाओं की श्रेणियां

क्र. सं	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	जिलों की संख्या	जवाहर नवोदय विद्यालयों की सं.	एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूलों की संख्या*
1	अंडमान एवं निकोबार द्वीप	3	2	-
2	आंध्र प्रदेश	26	15	22
3	अरुणाचल प्रदेश	27	14	-
4	असम	35	27	-
5	बिहार	38	38	-
6	चंडीगढ़ (यूटी)	1	1	-
7	छत्तीसगढ़	33	27	45
8	दादर और नगर हवेली एवं दमन और दीव	3	3	-
9	दिल्ली	11	2	-
10	गोवा	2	2	-
11	गुजरात	33	33	30
12	हरियाणा	22	21	-
13	हिमाचल प्रदेश	12	12	-
14	जम्मू और कश्मीर	20	15	-
15	झारखंड	24	25	-
16	कर्नाटक	31	30	12
17	केरल	14	14	-
18	लद्दाख	2	2	-
19	लक्षद्वीप	1	1	-

20	मध्य प्रदेश	55	53	39
21	महाराष्ट्र	36	34	17
22	मणिपुर	16	10	-
23	मेघालय	12	7	-
24	मिजोरम	11	8	-
25	नागालैंड	17	10	-
26	ओडिशा	30	31	17
27	पुदुच्चेरी	2	4	-
28	पंजाब	23	23	-
29	राजस्थान	41	35	-
30	सिक्किम	6	4	-
31	तेलंगाना	33	9	18
32	त्रिपुरा	8	6	-
33	उत्तर प्रदेश	75	75	-
34	उत्तराखंड	13	13	-
35	पश्चिम बंगाल	23	14	-
	कुल	**739**	**620**	**200**

(*) जैसाकि जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा चिह्नित किया गया है।